दिनांक : 24 दिसम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के चिकित्सकों और राष्ट्रीय सेवा योजना के अष्टावक्र इकाई के स्वयंसेवक बीएएमएस विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग द्वारा पूरे देश में अट्ठारह वर्ष से ऊपर सभी नागरिकों को आयुर्वेद से जोड़ने के लिए संचालित प्रकृति परीक्षण अभियान के अन्तर्गत, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखनाथ मंदिर काम्प्लेक्स, जल निगम नौका विहार, गोरखपुर शहर, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस चिकित्सालय उल्लिखित स्थानों पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर नागरिकों का स्वास्थ्य परामर्श देते हुए प्रकृति परीक्षण करके ऑनलाइन प्रमाण–पत्र प्रदान किया। आयुर्वेदिक प्रकृति परीक्षण अभियान को प्रोत्साहित करते हुए गोरखपुर के माननीय सांसद श्री रविकिशन शुक्ल ने भी अपना प्रकृति परीक्षण करवाया। राष्ट्रीय सेवा योजना के

प्रकृति परीक्षण के दौरान सांसद श्री रविकिशन शुक्ल जी के साथ विद्यार्थी

कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने अवगत कराया कि प्रकृति परीक्षण आयुर्वेद के मुताबिक, किसी व्यक्ति की मनो–शारीरिक स्थिति को वर्गीकृत करने की एक नियमावली के साथ एक युक्ति है। इस परीक्षण में, व्यक्ति की प्रकृति को जानने के लिए बारह प्रश्नों का जवाब देना होता है। इसके बाद, एक विशेषज्ञ कार्यकर्ता क्यूआर कोड स्कैन करके व्यक्ति का प्रकृति बताते हैं और स्वस्थ जीवनशैली के आयुर्वेद पद्धति के अनुसार परामर्श देते हैं। इस परीक्षण के बाद, व्यक्ति को एक ऑनलाइन कार्ड प्रदान किया जाता है। जिसमें वात–पित्त–कफ के प्रभाव से जुड़ी जानकारी होती है। साथ ही, रिपोर्ट में खान–पान, दिनचर्या और नींद लेने का सही समय जैसी जानकारी भी दी जाती है।

इस अभियान में प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. गोपीकृष्ण, डॉ. मिनी, डॉ. शान्तिभूषण, डॉ. वैशाख, डॉ. किरण रेड्डी, डॉ. संध्या पाठक, डॉ. विष्णु आदि सभी चिकित्सकए बीएएमएस विद्यार्थी और एनएसएस अष्टावक्र इकाई के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहें।